ट्रांसमशिन लाइनों से प्रतबिंध हटाने पर वचिार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने **राजस्थान और गुजरात में उत्पादति सौर ऊर्जा के संचरण** के लयि लाइनें स्थापति करने हेतु **67,000 वर्ग कमी. से अधकि क्षेत्र छोड़ने** पर सहमतवि्यक्त की, लेकनि कहा कि **13,000 वर्ग कमी. क्षेत्र को अबाधति रहना चाहयि** क्योंकयि यह **लुप्तप्राय पक्षी,** [ग्रेट इंडयिन बस्टर्ड](#) का मुख्य नविास स्थान है।

मुख्य बदुि:

- 80,000 वर्ग कमी. क्षेत्र में सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्रसारण के लयि ओवरहेड वदि्युत केबलों पर प्रतबिंध लगाने का केंद्र सरकार का आदेश **कार्यान्वयन योग्य नहीं है।**
- इसके अलावा कोयले से चलने वाले थर्मल पावर प्लांटों से उत्सर्जन को कम करने के लयि **सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहति करने** और **GIB को वलिुप्त होने से बचाने हेतु** हर संभव कदम उठाने के बीच संतुलन का सुझाव दयिा गया।

ग्रेट इंडयिन बस्टर्ड

- ग्रेट इंडयिन बस्टर्ड (अर्डीओटसि नाइग्रसिप्स), **राजस्थान का राज्य पक्षी है** और **भारत का सबसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी माना जाता है।**
- यह **घास के मैदान की प्रमुख प्रजातमिानी** जाती है, जो चरागाह पारस्थितिकी का प्रतनिधित्वि करती है।

    - इसकी अधकितम आबादी **राजस्थान और गुजरात** तक ही सीमति है। **महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में यह प्रजाति कम संख्या** में पाई जाती है।
- **खतरे:**
    - **वद्यिुत लाइनों से टकराव/इलेक्ट्रोक्यूशन, शकिार (अभी भी पाकस्तिान में प्रचलति), आवास का नुकसान और व्यापक कृषि वस्तिार** आदि के परिणामस्वरूप यह पक्षी खतरे में है।
- **सुरक्षा की स्थतिि:**
    - **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लस्टि (IUCN):** गंभीर रूप से संकटग्रस्त
    - **वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES):** परशिष्टि-1
    - **प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभसिमय (CMS):** परशिष्टि-I
    - **वन्यजीव संरक्षण अधनियिम, 1972:**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sc-considers-lifting-the-ban-on-transmission-lines-through-gib-habitats